http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 79

प्रयागराज गुरुवार 05 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

राष्ट्रपति मुर्मू ने श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा–अर्चना की

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। मंदिर पहुंचने पर श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति को दर्शन कराने वाले सेवादार राजरतन महापात्रा ने बताया

कि उन्होंने गर्भगृह में मत्था टेका और आरती की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा–अर्चना की। राष्ट्रपति ने 'ग्रांड रोड' में एक किलोमीटर की दूरी पैदल तय की। जब राष्ट्रपति आम श्रद्धालु की तरह सड़क से जा रही थीं तो सैकड़ों लोग सड़क के दोनों ओर खड़े हो गए और उनका अभिवादन किया। मंदिर को कुछ समय के लिए आम लोगों के वास्ते बंद कर दिया गया ताकि राष्ट्रपति मंदिर के गर्भगृह में भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के दर्शन सुलभता से कर सकें। राष्ट्रपति के साथ उनकी बेटी इतिश्री मुर्मू, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा, पुरी के सांसद संबित पात्रा और अन्य लोग मौजूद थे। मंदिर में पूजा–अर्चना के बाद मुर्मू ने कहा, ''मैंने भगवान से कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की साथ ही देश के लोगों के लिए भी प्रार्थना की तथा उनकी खुशहाली की कामना की।'' वह मंदिर में करीब 30 मिनट रहीं। मंदिर पहुंचने पर श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति को दर्शन कराने वाले सेवादार राजरतन महापात्रा ने बताया कि उन्होंने गर्भगृह में मत्था टेका और आरती की। राष्ट्रपति ने मंदिर परिसर में मां बिमला और महा लक्ष्मी की भी पूजा–अर्चना की। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रपति की यात्रा के मद्देनजर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई।मंदिर से राष्ट्रपति मुर्मू शहर में एक अन्य कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रवाना हो गईं।

एमपी शिक्षा परिषद के समारोह में बोले सीएम योगी

दुनिया उधर होगी, जिधर भारत चाहेगा

● योगी बोले- आज दुनिया भारत की ओर देख रही: महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के स्थापना दिवस में पहुंचे, कहा- 92 साल की यात्रा पूरी हुई

● 92वां संस्थापक सप्ताह समारोह: सीएम योगी ने कहा- अनुशासन से ही सर्वांगीण विकास संभव, जीवन के लिए भी जरूरी

गोरखपुर,(एजेंसी)। मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि गोरक्षपीठ भक्ति योग के साथ कर्मयोग की साधना में लीन है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद शिक्षा के क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लिए जो काम कर रहा है वह प्रेरणादाई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के प्रति पूरी दुनिया का विश्वास तेजी से बढ़ा है। एक समय था जब भारत दुनिया के किसी भी गुट में नहीं था। देश के सामने असमंजस की स्थिति थी कि उसकी दिशा क्या होगी, उसे क्या करना है। पर, आज का नया भारत दुनिया के ध्रुवीकरण की दिशा तय करता है। दुनिया का ध्रुवीकरण उधर होता है, जिधर भारत होता है। सीएम योगी बुधवार को महाराणा प्रताप (एम पी)शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया उसी का अनुसरण करती है जो खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का माद्दा रखता है। जो स्वयं खड़ा नहीं हो सकता, वह दूसरों को खड़ा होने की प्रेरणा कैसे दे सकता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत को खुद को उसी अनुरूप तैयार किया और परिणाम है कि आज भारत की दिशा के बिना दुनिया की दिशा की कल्पना नहीं की जा सकती है। दुनिया में मानवता के सामने जो चुनौती है, भारत उससे निपटने के विश्वास का प्रतीक बना है। जी–20 का समिट उसका प्रमाण है। आज दुनिया का कोई भी बड़ा आयोजन भारत के बिना नहीं होता है। आज देश विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है।

पुंछ में आतंकियों ने किया सेना की पोस्ट पर ग्रेनेड हमला, दहशतगर्दों की तलाश में लगे सुरक्षाबल

पुंछ,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के एक पोस्ट पर ग्रेनेड हमला हुआ। गनीमत यह रही कि हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। सुरक्षाबलों ने आतंकियों की तलाश शुरू कर दी है। जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकवादियों ने सेना के एक पोस्ट पर ग्रेनेड हमला किया, लेकिन इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। आतंकवादियों ने सेना के पोस्ट पर दो ग्रेनेड

फेंके, जिनमें से केवल एक ही फटा। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है। आतंकवादियों ने सेना के पोस्ट के पीछे सुरनकोट इलाके में स्थित एक सेना कैंप पर हमला किया। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है। आतंकवादियों द्वारा फेंके गए ग्रेनेड में से एक का सुरक्षा पिन सेना के कैंप की परिधि दीवार के पास मिला है। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है।

फडणवीस बनेगें महाराष्ट्र के सीएम

● भाजपा ने नेता चुना, महायुति की बैठक बाकी, शिंदे–पवार के साथ मीटिंग में मंत्रियों के नाम पर मुहर लगेगी

● इंदिरा के नाम पर था स्कूल तो जिद कर उसे छोड़ा, ऐसी है फडणवीस की राजनीति में आने की कहानी

मुम्बई,(एजेंसी)। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। वह तीसरी बार महाराष्ट्र की सत्ता की कुर्सी संभालेंगे। बीते पांच साल में देवेंद्र फडणवीस ने तीन दिन के मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और उपमुख्यमंत्री जैसी भूमिका भी निभाई। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री के चेहरे के ऐलान हो गया है। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। बुधवार को विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुन लिया गया है। फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र की सत्ता की कुर्सी संभालेंगे जहां पहली बार उन्होंने पूरे पांच साल तो दूसरी बार महज तीन दिन की सरकार चलाई। बीते पांच साल में जिस तरह से महाराष्ट्र की राजनीति बदली उस तरह देवेंद्र फडणवीस की भूमिका भी बदली। वह कभी तीन दिन के मुख्यमंत्री, कभी नेता प्रतिपक्ष तो कभी उपमुख्यमंत्री रहे। आइये जानते हैं देवेंद्र फडणवीस के पूरे करियर और उनके बारे में... कौन हैं देवेंद्र फडणवीस? 54 साल के देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र भाजपा के सबसे बड़े नेता हैं। वह एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे हैं। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। 22 जुलाई 1970 को नागपुर में एक मध्यमवर्गीय महाराष्ट्रीयन परिवार में देवेंद्र फडणवीस का जन्म हुआ। उनके माता–पिता काफी प्रतिष्ठित थे, जो सार्वजनिक सेवा और सामाजिक सक्रियता में सक्रिय रूप से शामिल थे। देवेंद्र के पिता गंगाधरराव फडणवीस जनसंघ के सदस्य थे और वह नागपुर से महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य भी रहे। उनकी माता सरिता फडणवीस विदर्भ हाउसिंग क्रेडिट सोसाइटी की पूर्व निदेशक थीं जो अमरावती के प्रतिष्ठित कालोटी परिवार से ताल्लुक रखती थीं। इंदिरा के नाम की स्कूल में पढ़ने से किया था इनकार युवा देवेंद्र का नाम शुरू में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम पर नागपुर के इंदिरा कॉन्वेंट स्कूल में लिखाया गया था। कुछ वर्षों के बाद देश ने इंदिरा गांधी के शासनकाल में लगाए गए आपातकाल के बुरे दौर को झेला। जब देश भर में विरोधी नेताओं को जेल में डाला गया तो उनमें से एक देवेंद्र के पिता गंगाधरराव जनसंघ के सदस्य थे। गंगाधरराव को एक विरोध रैली के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें लंबे समय तक जेल में रखा गया। इस घटना से देवेंद्र के मन में विद्रोह की भावना पैदा हो गई और उन्होंने उस स्कूल में जाने से इंकार कर दिया।

गरीबों के लिए सौर ऊर्जा की कई योजनाएं उपलब्धः सरकार

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। सरकार ने कहा है कि गरीबों और आदिवासी क्षेत्रों के अत्यधिक गरीब लोगों को सौर ऊर्जा जैसी कई योजनाएं उपलब्ध हैं और ऐसे लोगों को प्रधानमंत्री सूर्य मुफ्त बिजली जैसी योजना का लाभ लेना चाहिए। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने लोकसभा में एक पूरक प्रश्न के जवाब में यह जानकारी देते हए बताया कि सरकार ने गरीब से गरीब व्यक्ति को बिजली उपलब्ध कराने के लिए पीएम सौर ऊर्जा योजना बनाई हैं और इनका निशुल्क लाभ देश के आदिवासी तथा दूसरे क्षेत्र के सभी गरीबों को दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लोगों को पक्के घर दिए जा रहे हैं और उसके तहत हर घर के ऊपर एक किलोवाट अक्षय ऊर्जा पैदा कराने की सुविधा भी दी जा रही हैं। इस योजना से गरीब बिजली पैदा कर सकता है और उसमें जो बिजली बचे, उस ऊर्जा को वह सरकार को बेच कर लाभ कमा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र में ग्राम उत्कर्ष अभियोजना चलाई जा रही है। इसके साथ ही सबको बिजली देने की और भी कई योजनाएं हैं जिसका लाभ आदिवासी क्षेत्र के गरीबों को लेना चाहिए। इसके अलावा पीएम सूर्य बिजली मुक्ति योजना भी है, जिसका लाभ आदिवासियों को लेना चाहिए। इस योजना का उपयोग कर गरीब को फ्री में बिजली उपलब्ध हो सकेगी।

'मुख्यमंत्री की यात्रा फिजूलखर्ची'

● तेजस्वी यादव कांग्रेस नहीं, अरविंद केजरीवाल की नीति परय फ्री बिजली के लिए क्या एलान?

मुंगेर,(एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए घोषणाओं का दौर शुरू हो गया है। तेजस्वी यादव ने कांग्रेस की जगह आम आदमी पार्टी की राह पकड़ी है। कांग्रेस ने दिल्ली में 400 यूनिट फ्री बिजली का एलान किया, लेकिन तेजस्वी ने कुछ और एलान किया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुंगेर में कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम के दौरान बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अगर महागठबंधन की सरकार बिहार में बनी, तो राज्य की जनता को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी। तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार से भी इस दिशा में कदम उठाने की मांग की, यह कहते हुए कि बिहार में देश की सबसे महंगी बिजली मिल रही है, जिससे जनता की जेब पर भारी असर पड़ रहा है। कार्यकर्ता संवाद से संगठन को मिलेगी मजबूती तेजस्वी यादव ने स्पष्ट किया कि कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेना और संगठन को मजबूत करना है। मुंगेर प्रमंडल पर विशेष ध्यान देने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि सभी जिलों का दौरा कर समस्याओं का संग्रहण किया जाएगा, जो आगामी चुनावी घोषणा पत्र का हिस्सा बनेगा। सरकार पर आरोप, रोजगार और बिजली पर जोर तेजस्वी यादव ने बिजली बिल और भूमि सर्वेक्षण की समस्याओं को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार बनी तो हर परिवार को 200 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी। इसके अलावा उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल का हवाला देते हुए कहा कि 17 महीने के कार्यकाल में पांच लाख नौकरियां देने का वादा पूरा किया गया था। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि साढ़े तीन लाख नौकरियों की प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी, लेकिन सत्ता बदलने के कारण यह अधूरी रह गई। 'मुख्यमंत्री की यात्रा फिजूलखर्ची' तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री की यात्रा को फिजूलखर्ची बताते हुए कहा कि 200–250 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं, जिसका हिसाब जनता को देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस यात्रा के जरिए अधिकारियों को 'लूट की छूट' दी गई है। तेजस्वी ने केंद्र से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की भी मांग की।

परीक्षा लीक और आरक्षण पर भाजपा को घेरा तेजस्वी यादव ने बिहार में परीक्षाओं के लगातार लीक होने पर चिंता जताई और कहा कि सरकार इन मुद्दों पर जवाबदेह नहीं है।

किसानों की चेतावनी के बाद हरकत में अफसर, दिल्ली कूच की चेतावनी

नोएडा,(एजेंसी)। महापंचायत के मंच से किसानों ने ऐलान किया है कि अगर एक घंटे में राकेश टिकैत नहीं पहुंचे तो किसान नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल की तरफ कूच करेंगे। ग्रेटर नोएडा में आज किसानों की महापंचायत हो रही है। महापंचायत में शामिल होने आ रहे किसान नेता राकेश टिकैत को टप्पल पुलिस ने रोक लिया है। महापंचायत के मंच से किसानों ने ऐलान किया है कि अगर एक घंटे में राकेश टिकैत नहीं पहुंचे

तो किसान नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल की तरफ कूच करेंगे। पुलिस के साथ वार्ता में एक घंटे में जेल में बंद 123 किसानों को रिहा करने का आश्वासन दिया है। बिना शर्त रिहाई का आश्वासन दिया गया है। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो दिल्ली कूच की चेतावनी दी गई है। महामाया फ्लाइओवर के पास अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। जीरो पॉइंट पर पंचायत में दिल्ली की तरफ कूच करने की घोषणा के बाद पुलिस की सक्रियता बढ़ गई है। महापंचायत से पहले नोएडा महामाया फ्लाइओवर के पास आज किसानों को फिर पुलिस ने रोका है। हंगामे के बीच बस में भरकर ले जाया गया। महापंचायत में शामिल होने के लिए भाकियू राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष गौरव टिकैत ग्रेटर नोएडा पहुंचे हैं। जानकारी के लिए बता दें कि ग्रेटर नोएडा में धरना स्थल पर किसान अलग–अलग टोली में पहुंच रहे हैं। नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल से बलपूर्वक हटाने और गिरफ्तारी के विरोध में यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट पर महापंचायत के लिए किसानों की भीड़ जुटी है।

राहुल–प्रियंका संभल नहीं जा सके, गाजीपुर बॉर्डर से लौटे

● दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस पर 4 घंटे जाम से लोग परेशान, कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीटा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)।राहुल ने पत्रकारों से कहा कि हम संभल जाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पुलिस मना कर रही है, नहीं जाने दे रही। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर जाना मेरा अधिकार है, लेकिन वे मुझे रोक रहे हैं। मैं अकेले जाने और पुलिस के साथ जाने को तैयार था, लेकिन उन्हें यह भी मंजूर नहीं था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने उनके काफिले को गाजीपुर सीमा पर रोक दिया, जिससे हिंसा प्रभावित संभल की उनकी योजनाबद्ध यात्रा अवरुद्ध हो गई। कांग्रेस नेता ने कहा कि पुलिस ने उन्हें प्रभावित लोगों से मिलने के उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित कर दिया। राहुल गांधी ने कहा कि वह अपना काफिला छोड़कर पुलिस

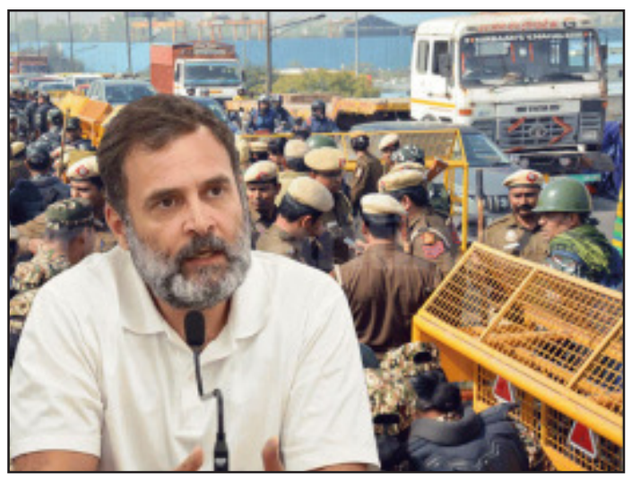

के साथ अकेले संभल जाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने उन्हें कुछ दिनों के बाद लौटने के लिए कहा था। राहुल ने पत्रकारों से कहा कि हम संभल जाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पुलिस मना कर रही है, नहीं जाने दे रही। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर जाना मेरा अधिकार है, लेकिन वे मुझे रोक रहे हैं। मैं अकेले जाने और पुलिस के साथ जाने को तैयार था, लेकिन उन्हें यह भी मंजूर नहीं था। उन्होंने दावा किया कि वे कह रहे हैं कि अगर हम कुछ दिनों में लौटेंगे तो वे हमें जाने देंगे। यह विपक्ष और संविधान के अधिकारों के खिलाफ है।

हम सिर्फ संभल जाकर देखना चाहते हैं कि वहां क्या हुआ, हम लोगों से मिलना चाहते हैं। मेरा संवैधानिक अधिकार मुझे नहीं दिया जा रहा है। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि नया भारत है।

प्रतिबद्ध

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण की प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। वरिष्ठ नागरिकों के सामाजिक–आर्थिक विकास की दिशा में सरकार ने कई हितकारी फैसले लिए हैं, जिनमें उनके भरण–पोषण, रहवास के लिए वृद्धाश्रमों की व्यवस्था, उनके लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था, संपत्ति के संरक्षण समेत कई अहम कार्य शामिल हैं। प्रदेश में माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों को भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए अनुविभागीय अधिकारी की अध्यक्षता में सभी अनुविभागों में भरण पोषण अधिकरण का गठन किया गया है, अधिकरण से जुड़े अपीलीय नियमों में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरों पर भी अधिकरण का गठन हुआ है। वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के निराकरण एवं भरण पोषण का लाभ दिलाने के लिए आवेदन की आसान व्यवस्था भी प्रभावी है। 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के वृद्धजनों को निरूशुल्क भोजन, आश्रय, देखभाल, मनोरंजनात्मक सुविधाएं आदि उपलब्ध कराने लिए राज्य के 26 जिलों में 35 वृद्धाश्रम भी चलाए जा रहे हैं जिसका लाभ लगभग एक हजार वरिष्ठ नागरिकों को हो रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार पूरी संवेदनशीलता से वरिष्ठ नागरिकों का ध्यान रख रही है। 60 वर्ष या इससे अधिक के ऐसे वरिष्ठ नागरिक जो बढ़ती उम्र के कारण गंभीर बीमारियों के कारण बिस्तर पर रहने को मजबूर हैं, उनकी समुचित देखरेख, उन्हे स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशामक देखरेख गृह संचालन की योजना भी शुरू की गई है। इनके अंतर्गत 6 जिलों रायपुर, दुर्ग, कबीरधाम, रायगढ़, बालोद एवं बेमेतरा में देखरेख गृह का संचालन किया जा रहा है, जहां वरिष्ठ नागरिकों का सम्पूर्ण ध्यान रखा जा रहा है।छत्तीसगढ़ सरकार वरिष्ठ नागरिकों की आस्था को पूरा सम्मान प्रदान करने की प्रतिबद्धता के साथ उनके लिए तीर्थ स्थलों की यात्रा की योजना भी चला रही है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले वरिष्ठ नागरिकों की वृद्धावस्था में होने वाली समस्या को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार न केवल उनकी देखभाल कर रही बल्कि उन्हें उचित स्वास्थ्य लाभ भी दिला रही है। वरिष्ठ नागरिक सहायक उपकरण प्रदाय योजना के अंतर्गत व्हीलचेयर, श्रवणयंत्र, चश्मा, छड़ी आदि उपकरण प्रदान किए जा रहे है। इस योजना से राज्य के 50 हजार से ज्यादा वरिष्ठ नागरिकों को लाभान्वित किया गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन राशि दी जाती है। वर्तमान में 14 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन योजना से लाभान्वित किया जा रहा है।इसी तरह वरिष्ठ नागरिकों के सुरक्षा, संरक्षण एवं सम्मान के प्रति समाज में सकारात्मक और जागरूक वातावरण बनाने के लिए हर वर्ष विकासखण्ड स्तर से राज्य स्तर तक 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन किया जाता है। वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण, सहायता और मार्गदर्शन के लिए समाज कल्याण संचालनालय में हेल्पलाईन 155–326 एवं टोल फ्री नं. 1800–233–8989 का संचालन किया जा रहा है, जिसका लाभ प्रदेशभर के वरिष्ठ नागरिकों को मिल रहा है। इस तरह छत्तीसगढ़ में वरिष्ठ नागरिकों के सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य और कल्याण को लेकर सतत कार्य किया जा रहा है।

बातें मजाक की नहीं, चिंता का विषय

एस. सुनील

पहली बात आरक्षण के संदर्भ में हैं। उन्होंने कहा, हम आरक्षण खत्म करने के बारे में तभी सोचेंगे, जब भारत एक भेदभावरहित जगह बन जाएगाय। दूसरी बात, सिखों को लेकर है। राहुल ने कहा, भारत में सिख डरने लगे हैं कि उनको पगड़ी और कड़ा पहनने दिया जाएगा या नहींय। इन दो बातों के अलावा विवाद का तीसरा मुद्दा उनकी मुलाकात है। वे अमेरिकी कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल से मिले, जिसमें इल्हान उमर भी शामिल थीं, जिनका भारत विरोध जगजाहिर है।कांग्रेस पार्टी के सर्वोच्च नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर पिछले दिनों पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमति स्मृति ईरानी ने एक बहुत पते की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि, राहुल गांधी जो कहते हैं, हम भले उसे बचकाना मानें या हंसी उड़ाएं लेकिन वे अलग तरह की राजनीति कर रहे होते हैंय। उनके कहने का मतलब था कि राहुल की बातें सुनने में बचकानी या बेसिरपैर की लग सकती हैं लेकिन वे किसी न किसी राजनीतिक मकसद से अपनी बातें कहते हैं। वह उनके, उनकी पार्टी के और व्यापक गठबंधन की वृहत्तर राजनीति को साधने के लिए कही गई बात होती है। इसलिए उनकी बातों को और जिस संदर्भ में वे अपनी बात कहते हैं उसको गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। उनकी बातें मजाक की नहीं, बल्कि चिंता का विषय हैं।

तीन दिन की अपनी अमेरिका यात्रा में वे जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी गए और नेशनल प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने जो बातें कहीं या इनसे अलग जिन लोगों से बेहद आत्मीय मुलाकात की है उसको पूरे संदर्भ के साथ देखेंगे तो एक बड़े खतरे का आभास होगा। इससे कांग्रेस और पूरे विपक्ष की मानसिकता समझ में आएगी और उनकी विभाजनकारी राजनीति की वास्तविक तस्वीर भी दिखेगी। अमेरिका यात्रा में राहुल की दो बातें और एक मुलाकात विवाद के केंद्र में हैं। पहली बात आरक्षण के संदर्भ में हैं। उन्होंने कहा, हम आरक्षण खत्म करने के बारे में तभी सोचेंगे, जब भारत एक भेदभावरहित जगह बन जाएगाय। दूसरी बात, सिखों को लेकर है। राहुल ने कहा, भारत में सिख डरने लगे हैं कि उनको पगड़ी और कड़ा पहनने दिया जाएगा या नहींय। इन दो बातों के अलावा विवाद का तीसरा मुद्दा उनकी मुलाकात है। वे अमेरिकी कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल से मिले, जिसमें इल्हान उमर भी शामिल थीं, जिनका भारत विरोध जगजाहिर है।राहुल और विपक्ष के राजनीतिक डिजाइन को समझने के लिए शुरुआत उनकी पहली बात से करते हैं। आरक्षण समाप्त करने से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत में अभी बहुत भेदभाव और असमानता है, जब सबके लिए समान अवसर उपलब्ध होंगे यानी असमानता खत्म हो जाएगी तभी आरक्षण खत्म होगा। इस बात के दो पहलू हैं। एक पहलू को लेकर सबसे पहले बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती ने राहुल पर हमला किया।उन्होंने कहा कि यह आरक्षण खत्म करने की साजिश का खुलासा है। बाद में दूसरी पार्टियों ने भी यह चिंता जताई और कहा कि कांग्रेस की आरक्षण विरोधी मानसिकता जाहिर हो गई। कहने की जरुरत नहीं है कि आजादी के बाद से कांग्रेस हमेशा आरक्षण विरोधी रही है। उसके शासन में काका कालेलकर आयोग बना था, जिसकी सिफारिशें उसने नहीं लागू कीं और बीपी मंडल की अध्यक्षता में बनी मंडल आयोग की रिपोर्ट भी इंदिरा और राजीव गांधी ने 10 साल तक बक्से में बंद रहने दी थी। अब राहुल गांधी अचानक जाति जनगणना और आरक्षण के चौम्पियन बनने लगे हैं। लेकिन अमेरिका में उनकी बातों से उनकी पार्टी का छिपा हुआ एजेंडा जाहिर हो गया।

आरक्षण पर दिए उनके बयान का दूसरा पहलू यह था कि भारत एक फेयर प्लेसय नहीं है। यहां भेदभाव होता है और समानता नहीं है। क्या यह भारत के समाज को बांटने वाली बात नहीं है? क्या राहुल गांधी भारत के संविधान को नहीं मानते हैं? भारत का संविधान नागरिकों के बीच समानता के सिद्धांत पर आधारित है। वह हर नागरिक को अवसर की समानता का अधिकार देता है। इसी सिद्धांत में अपवाद बना कर एफर्मेटिव एक्शनय लिए गए हैं यानी आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है। इसके बावजूद अगर किसी स्तर पर असमानता है तो उसके लिए दोषी कौन है? क्या 60 साल तक राज करने वाली कांग्रेस पर इसकी जवाबदेही नहीं आती है? अगर कहीं असमानता है तो क्या राहुल गांधी के पूर्वजों की गलत नीतियों की वजह से नहीं है?

और क्या यह सचाई नहीं है कि पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने देश में हर किस्म की असमानता मिटाने और सभी

जातीय, धार्मिक व आर्थिक समूह के लोगों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए काम किया है? परंतु राहुल गांधी को भारत का अपमान करना था। भारत के बारे में बुरी बातें कहनी थीं। वे समझते हैं कि इससे वे प्रधानंमत्री नरेंद्र मोदी या भाजपा का अपमान कर रहे हैं, लेकिन असल में वे भारत का अपमान करते हैं। पहले वे एक सांसद के नाते विदेश जाते थे और इस तरह की बातें करते थे परंतु इस बार तो वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के नाते विदेश गए थे। वे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति हैं और देश के राजदूत के रूप में उनका आचरण होना चाहिए था। लेकिन अफसोस की बात है कि वे अपने छोटे छोटे राजनीतिक पूर्वाग्रहों से ऊपर नहीं उठ सके।

उनकी दूसरी बात और भी खतरनाक थी। उन्होंने सिखों के मन में डर पैदा हो जाने की बात कही। यह बात कितनी खतरनाक है इसका अंदाजा इससे लगता है कि सिख फॉर जस्टिसय नाम से संगठन बनाने वाले अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने उनकी बात का समर्थन किया। राहुल की इस बात से पहले सवाल तो यही उठता है कि क्या नैतिक रूप वे ऐसी स्थिति में हैं कि इस तरह के बयान दे सकें? उनकी दादी इंदिरा गांधी की सरकार ने ऑपरेशन ब्लूस्टार के रूप में सिखों को सबसे बड़ा घाव दिया था और उनके पिता राजीव गांधी की सरकार के समय दिल्ली में सिखों का नरसंहार हुआ था।उनकी पार्टी के ही नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पिछले दिनों राहुल के बचाव में उतरे तो उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय सिखों के सबसे पवित्र स्वर्ण मंदिर पर हमलाय हुआ था। यह भी सबको पता है कि सिख नरसंहार के समय उसको न्यायसंगत ठहराते हुए राजीव गांधी ने कहा था कि बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है।

सिखों के प्रति इस तरह का भाव रखने वाले लोग विदेश जाकर उनके लिए घडियाली आंसू बहा रहे हैं, इससे बड़ी विडम्बना क्या हो सकती है! लेकिन इस बयान के लिए राहुल की बुद्धि पर अफसोस करने की बजाय यह समझने की जरुरत है कि उन्होंने ऐसा विभाजनकारी बयान क्यों दिया? उनका बयान खालिस्तान की मांग करने वाले अलगाववादियों के तुष्टिकरण वाला है। यह बहुत खतरनाक बयान है। ध्यान रहे पंजाब में 2017 के चुनाव के समय आम आदमी पार्टी पर अलगाववादियों से मिलीभगत के आरोप लगे थे। बाद में 2022 में कट्टरपंथी ताकतों के समर्थन से आप ने कांग्रेस को हरा कर पंजाब में सरकार बना ली। तभी ऐसा लग रहा है कि राहुल गांधी आप से ज्यादा कट्टरपंथी राजनीति कर रहे हैं ताकि पंजाब में सत्ता हासिल की जा सके। इसके लिए वे देश की एकता, अखंडता को दांव पर लगाने के लिए भी तैयार हैं।नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहली विदेश यात्रा पर गए राहुल गांधी ने वॉशिंगटन में रेबर्न हाउस में अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इसमें अमेरिका की विवादित कांग्रेस सदस्य इल्हान उमर भी शामिल थीं। अब ऐसा नहीं हो सकता है कि राहुल और उनकी टीम को, खास कर ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा को इल्हान उमर के बारे में जानकारी नहीं हो। वे भारत विरोधी बयानों और विचारों के लिए जानी जाती हैं। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब अमेरिका के दौरे पर गए और अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित किया तो इल्हान उमर से उसका बहिष्कार किया था। वे पाकिस्तान सरकार के खर्चे पर पाकिस्तान के दौरे पर गई थीं और पाक अधिकृत कश्मीर का भी दौरा किया था। इल्हान ने पाक अधिकृत कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताया था। भारत ने इसका विरोध किया था और कड़ा प्रतिवाद दर्ज कराया था।

भारत व कनाडा के कूटनीतिक तनाव के समय भी उन्होंने भारत विरोधी रुख अख्तियार किया था। वे एनआरसी के विरोध में बोलती हैं। क्वाड के विरोध में बोलती हैं। दुनिया में शायद ही कोई और विदेशी राजनेता होगा, जिसका भारत के मामले में इतना नफरत भरा रवैया होगा। लेकिन राहुल गांधी उनसे भी मिले। ऐसा लग रहा है कि राहुल ने भारत विरोधी ताकतों से मेलजोल रखना अपनी आदत बना ली है। पहले भी जॉर्ज सोरोस के करीबियों से राहुल की मुलाकातों को लेकर विवाद हुए थे।इस मामले में उनके व्यवहार में एक निरंतरता है, एक पैटर्न है। हर बार वे अपनी विदेश यात्राओं में भारत के लिए अपमानजनक बयान देते हैं और भारत विरोधियों से मिलते हैं। यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है। मुख्य विपक्षी पार्टी के नेता के नाते उनका अधिकार है कि वे राजनीति करें और सरकार बनाने का प्रयास करें लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि वे भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करते करते भारत का विरोध करने लगें या इसकी एकता और अखंडता के लिए खतरा पैदा करें।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुला:आज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिक: आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनु: आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकर: आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभ: आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीन: आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने की जरूरत

आर.के. सिन्हा

भारत अपने नागरिकों को सेहतमंद रखने के लिए तुरंत एक अहम कदम यह उठा सकता है कि वह केन्द्र और राज्य सरकारों की सेवाओं से जुड़े हुए सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ा दे। पिछले कुछ दशकों में भारतीयों की औसत उम्र में भी लगातार सुधार हो रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी और जीवन स्तर में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

भारत में औसत उम्र का दर 1950 में लगभग 37 वर्ष से बढ़कर अब लगभग 70 वर्ष की हो गई है। हालांकि, डॉक्टरों की रिटायरमेंट की आयु इन परिवर्तनों के साथ तालमेल नहीं बैठ पाई है। डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई है, पर इसे और बढ़ाने की गुंजाइश है, क्योंकिय सरकारी अस्पतालों में अनुभवी डॉक्टरों की कमी है। वक्त का तकाजा है कि डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को 70 वर्ष तक कर दिया जाए। आपको देश भर में हजारों अनुभवी डॉक्टर मिल जाएंगे जो 70 साल तो छोड़िए 75 और उससे भी अधिक उम्र में प्रैक्टिस कर रहे हैं। राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जुड़े हुए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. करौली तो 90 साल की उम्र तक रोगियों को रोज चार– पांच घंटों तक देखा करते थे। वे नेहरू जी से लेकर शास्त्री जी के भी चिकित्सक थे। मुंबई में भी 80 से ज्यादा वसंत देखने के बाद भी मशहूर डॉक्टर डॉ. बी.के. गोयल एक्टिव थे। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण आपको मिल सकते हैं।

भारत में आने वाले सालों में अनेकों नए मेडिकल कॉलेज स्थापित होने जा रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि हर साल देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से 50 हजार से ज्यादा डॉक्टर देश को मिलें। इनके अलावा वे डॉक्टर भी हैं जो भारत के बाहर जाकर मेडिसन की डिग्री लेकर आते हैं। आप मान सकते हैं कि देश के हेल्थ सेक्टर में डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि लगातार होती रहेगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अनुभवी और वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लाभ देश के हेल्थ सेक्टर को मिलता रहे। यह बात इसलिए कही जा रही है, क्योंकि अनुभव का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल मानते हैं कि सरकारी डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 70 करने से न केवल अनुभवी डॉक्टरों की कमी दूर होगी, बल्किय युवा चिकित्सकों को जरूरी मार्गदर्शन भी मिलता रहेगा।

दरअसल मेडिसन की दुनिया में अनुभव का बहुत अधिक महत्व होता है। यहां पर जब कोई नौजवान मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेता है, उसके बाद वह अपने अध्यापकों के अलावा वरिष्ठ और अनुभवी डॉक्टरों के संपर्क में लगातार रहता है मार्गदर्शन के लिए। इसलिए बहुत जरूरी है कि वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लंबे समय तक लाभ उन्हें मिलता रहे जो इस पेशे में आ रहे हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव और इस पेशे में आए नए डॉक्टर मिल–जुलकर मरीजों के रोगों के उपचार को बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इस रोशनी में सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र को बढ़ाना एक जरूरी कदम हो सकता है। चूंकि डॉक्टर अपने स्वास्थ्य पर बहुत ध्यान देते हैं इसलिए वे 70 साल की उम्र तक तो पूरी तरह से काम करने लायक होते हैं। क्या किसी को बताने की जरूरत है कि अब भी देश के ग्रामीण भागों में अनुभवी डॉक्टरों की भारी कमी है? ग्रामीण भारत की जनता बीमार होने पर बड़े शहरों के अस्पतालों में पहुंचती है। हर रोज राजधानी दिल्ली के एम्स, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल, गंगा राम अस्पताल वगैरह में हजारों ग्रामीण दूर–दराज के राज्यों से इलाज के लिए पहुंचते हैं। अगर उनके गांवों के पास पर्याप्त डॉक्टर और श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध हों तो वे क्यों सैकड़ों मील चलकर दूर आयेंगे? सरकारी डॉक्टरों की उम्र बढ़ाने से गांवों में डॉक्टरों की कमी को कुछ हद तक पूर किया जा सकता है। ग्रामीण भारत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। यह बहुत चिंताजनक स्थिति है। इस समस्या का एक हल यह भी है कि रिटायरमेंट की आयु बढ़ने से वहां पर तैनात डॉक्टरों को सेवा करने का मौका मिलता रहेगा। डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि देश के ग्रामीण भागों में सर्जनों, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों, फिजीशियनों और बाल रोग विशेषज्ञों की मांग को भी पूरा करने की जरूरत है। डॉक्टरों का सेवा विस्तार करने से गांवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को एक हद तक तो दूर किया ही जा सकता है।

वरिष्ठ डॉक्टर अक्सर हेल्थ सेक्टर मैनेजमेंट और नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका सेवा विस्तार करने से उनकी विशेषज्ञता का उपयोग नीतियों को आकार देने और अस्पताल प्रबंधन को बेहतर बनाने में किया जा सकेगा। जैसा कि ऊपर कहा गया कि जब भारत में डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित की, तो हिन्दुस्तानियों की औसत उम्र काफी कम थी। 1950 और 1960 के दशक में, जब औसत उम्र कम थी, तो 55 वर्ष की सेवानिवृत्ति की आयु उचित मानी जाती थी। 1970 के दशक में बढ़कर 58 वर्ष हुई, और फिर 1990 के दशक में 60 वर्ष हुआ। 2017 में केंद्र सरकार के डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई थी, ताकि अनुभवी चिकित्सा पेशेवरों को अधिक समय तक बनाए रखा जा सके। अब वक्त का तकाजा है कि केन्द्र और राज्य सरकारों के अस्पतालों से जुड़े डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ाया जाए।

अमेरिका और यूरोप के देशों में शोध कार्यों से जुड़े डॉक्टर जीवन भर सेवा में रहते हैं। जब यह व्यवस्था अन्य देशों में हो सकती है तो फिर भारत में क्यों नहीं। भारत में तो अनुभवी डॉक्टरों की हमेशा ही मांग बनी रहती है। भारत के लिए अपने डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु की समीक्षा करने का समय आ गया है। उम्मीद करनी चाहिए कि इस लिहाज से सरकार जल्दी कोई फैसला लेगी।

मजबूत हो रहे सड़क

धनंजय राठौर

डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ के विकास की रफ्तार नये कीर्तिमान भी स्थापित कर रही है जो राष्ट्रीय स्तर पर भी छत्तीसगढ़ की पहचान एक अलग मुकाम तक पहुंचा रही है। छत्तीसगढ़ के सड़क, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य के लिए केंद्र से छत्तीसगढ़ को 11।1 करोड़ रूपए मिले हैं। छत्तीसगढ़ केंद्र सरकार की पूंजीगत व्यय यानी कैपेक्स के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत टॉप–5 पर पहुँच गया है। छत्तीसगढ़ असम, गुजरात, हिमाचल, त्रिपुरा, गोवा और सिक्किम जैसे राज्यों की तुलना में आगे है।ईज ऑफ लिविंग की अवधारणा को मजबूत करने और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार लगातार कदम बढ़ा रही है। बस्तर से लेकर सरगुजा तक हर वर्ग के लोगों की समस्याओं को समझकर उनके हित में कार्य और त्वरित निर्णय से जनता और सरकार के बीच का रिश्ता मजबूत हुआ है। यही कारण है कि केंद्र सरकार के कैपेक्स में पूरे देश में छत्तीसगढ़ टॉप–5 में है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने एक नया विभाग भी बनाया है। सुशासन एवं अभिसरण (गुड गवर्नेंस एवं कन्वर्जेंस) विभाग अन्य शासकीय विभागों में जनता को आने वाली समस्याओं को समझकर उनके समाधान पर कार्य करेगी। हितग्राहियों को सरकार की योजनाओं का सौ फीसदी लाभ सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर स्तर पर परफॉरमेंस रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी। शासकीय विभागों और जनसरोकार से जुड़े कार्यों के डिजिटलाइजेशन से न केवल कार्यों में पारदर्शिता आ रही है बल्कि विभागों का परफोरमेंस भी बेहतर हो रहा है। सरकार के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है।शासकीय विभागों को समय के अनुरूप अपडेट करने के लिए भी छत्तीसगढ़ सरकार अहम् कदम उठा रही है, जिसमें लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत जनता से जुड़ी 90 सुविधाओं का डिजिटलीकरण, शासकीय खरीदी में पारदर्शिता लाने के लिए जैम पोर्टल की शुरुआत। सभी शासकीय विभाग के लिए अलग–अलग पोर्टल का निर्माण और ई–ऑफिस की दिशा में बढने की पहल, शासकीय विभागों से सम्बंधित विभिन्न व्यापारिक और औद्योगिक इकाईयों के एनओसी की प्रक्रिया के सरलीकरण जैसे निर्णय ईज ऑफ लिविंग की अवधारणा को मजबूती देने के लिए मुख्यमंत्री श्री साय की दूरदर्शी सोच को दर्शाती है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के स्वरुप पर आधारित केंद्र सरकार की नीतियों से आमजनों के जीवन को बेहतर बनाने के मिशन पर भी तेजी से कार्य हो रहा है।प्रदेश के युवाओ को उद्यम से जोडने की बात हो या किसानों को अल्पकालीन कृषि ऋण वितरित करने की छत्तीसगढ़ सरकार दोनों स्तर पर परिवर्तनकारी कदम उठा रही है जिसका परिणाम दिखने लगा है। यही कारण है कि खर्च और निवेश की सम्भावनाओं वाले देश के ।88 जिलों में छत्तीसगढ़ का डीपीआई स्कोर 3।.0 है जो दिल्ली 68.2, पश्चिम बंगाल 42.9, उत्तराखंड 41.0 के मुकाबले बेहतर है। दूसरे राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं, इन कार्यों को आमजनों की जरूरतों के अनुकूल किया जा रहा है।

अभियुक्त आभूषण व वाहन समेत गिरफ्तार

सुलतानपुर। थाना गोसाईगंज क्षेत्र के ग्राम भरथीपुर निवासी सर्राफा व्यवसायी सुरेश चन्द्र सोनी के साथ कार सवार अज्ञात अभियुक्तों के द्वारा लूट मारपीट व लूट की घटना अज्ञात के विरूद्ध पंजीकृत किया गया। उपरोक्त घटना में प्रकाश में आये तीन अभियुक्तो को आज गिरफ्तार किया गया। पकडे गये अभियुक्त मिर्जा अरबाज उर्फ डाक्टर पुत्र मिर्जा अरशद निवासीग्राम मुस्लिम पट्टी थाना निजामाबाद आजमगढ़, शाकिब नाई पुत्र अब्दुल वफा निवासीग्राम मुस्लिम पट्टी थाना निजामाबाद आजमगढ, तौसीफ पुत्र मोतीन निवासी अजीजपुर थाना गोसाईगंज जनपद सुलतानपुर है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभारी निरीक्षक थाना गोसाईगंज जनपद सुलतानपुर मय स्वाट टीम साथ लूट के सम्बन्ध में विचार विमर्श कर रहे थे कि सूचना मिली कि 03 संदिग्ध व्यक्ति नेक्सान कार से आजमगढ़ से पूर्वांचल एक्सप्रेसदृवे सर्विस लेन से लखनऊ जा रहे है। उनके पास नाजायज असलहे व सूदनापुर ज्वैलर्स लूट के सोने व चांदी के आभूषण भी है। इस सूचना पर सम्पूर्ण जनपद में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। तथा जगह जगह नाकाबन्दी भी की गयी। इसी क्रम में खरसोमा अण्डर पास के पास नेक्सान वाहन आता दिखाई दिया। पुलिस द्वारा नाकाबन्दी करके नेक्सान वाहन को समय करीब 03.35 बजे पकड़ लिया गया। नाम पता पूछने पर क्रमश तीनो ने अपना नाम 1. मिर्जा अरबाज उर्फ डाक्टर पुत्र मिर्जा अरशद उम्र करीब 29 वर्ष 2. शाकिब नाई पुत्र अब्दुल वफा उम्र करीब 45 वर्ष 3. तौसीफ पुत्र मोतीन बताया। सामुहिक पूछताछ की गयी तो बताया कि भरथीपुर नहर के पास सुरेश चन्द्र सोनी को असलहे से दिखाकर डरा धमकाकर सोने चादी के आभूषण की लूट पाट किये। जिससे हम लोगो के हिस्से में सोने व चांदी के आभूषण मिले। हम लोग अपने अपने हिस्से का माल लेकर लखनऊ जाकर बेचने की फिराक मे थे कि आप लोगो ने पकड़ लिया। इनके द्वारा बताया गया कि लूट की घटना में हमने इसी नेक्सान का इस्तेसाल माल लेकर भागने में और

पहचान छिपाने के लिए किया गया था। उक्त घटना के बारे मे पूछने पर शाकिब ने बताया कि साहब यह आभूषण मै अपने साथी मिर्जा अरबाज उर्फ डाक्टर पुत्र मिर्जा अरशद निवासीग्राम मुस्लिम पट्टी थाना निजामाबाद आजमगढ़ उम्र करीब 29 वर्ष, नागा उर्फ सुरजीत बारी पुत्र पप्पू बारी निवासी सोढरी थाना निजामाबाद आजमगढ उम्र करीब 27 वर्ष, मैनुद्दीन उर्फ मिस्टर पुत्र हफीजुल्ला निवासी घुरीपुर थाना निजामाबाद आजमगढ उम्र करीब 46 वर्ष के साथ सुदनापुर बाजार आया था गाडी नेक्सान कार मिर्जा अरबाज चला रहा था। हम लोग गाडी मे बैठे थे। मिर्जा अरबाज ने रास्ते मे जाते समय सुरेश सोनी ज्वैलर्स को टक्कर मार कर नहर पटरी के पहले गिरा दिये थे मैने बांस के डन्डे से सुरेश के सिर पर मारकर घायल कर दिया तथा मिर्जा अरबाज उर्फ डाक्टर ने तमंचे की बट से सुरेश के सिर पर मार दिया था और हम लोगो ने लूट लिया था। लूटे हुये जेवर को हम लोगो ने आपस मे बाट लिया था तथा अपने अपने हिस्से का माल लखनऊ लेकर बेचने जा रहे थे कि आप लोगो ने पकड लिया। हमारे साथ मैनुद्दीन उर्फ मिस्टर नही आया क्योंकि उसकी पत्नी गर्भवती है उसकी तबीयत खराब थी तथा नागा उर्फ सुरजीत बारी पुनः लूट किया था जेल मे है। सुरेश सोनी ज्वैलर्स के बारे मे तौसीफ पुत्र मोतीन निवासी अजीजपुर थाना गोसाईगंज जनपद सुलतानपुर उम्र 28 वर्ष जो हम लोगो के साथ बैठा है उसी ने पूरी मुखबिरी की थी तौसीफ सुदनापुर चौराहे पर ही रूक गया था। घटना के समय वह हमारे साथ कार मे नही गया था। मुखबिरी करने के नाते हम लोगो ने इसको भी हिस्सा दिया था।

धान क्रय केंद्र का किया निरीक्षण

चायल, कौशाम्बी। स्थानीय तहसील क्षेत्र के इछना गांव स्थित धान क्रय केंद्र पर मंगलवार को नायब तहसीलदार ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से बातचीत कर तौल हो रहे धान की जानकारी ली। केंद्र प्रभारी से कहा कि धान क्रय किसी भी लापरवाही पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नायब तहसीलदार अंकिता पाठक ने क्रय केंद्र पर धान की आवक के साथ साथ तौले जा रहे किसान सुरेंद्र कुमार और विनोद कुमार के धान की गुणवत्ता को देखा। उन्होंने किसानों से बातचीत कर समस्याएं जानी। तौल के लिए पर्याप्त लेबर न उपलब्ध करवाने पर ठेकेदार पर प्रतिकूल प्रविष्ट लिखने की चेतावनी दी। कहा कि किसी भी किसान का उत्पीड़न किया गया तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद उन्होंने अब तक खरीदे गए धान के अभिलेख का निरीक्षण किया। इस दौरान मौजूद केंद्र प्रभारी नसरीन असलम और विपणन सहायक आशीष सिंह से कहा किसानों के रजिस्ट्रेशन फार्म, खतौनी, आधार कार्ड, बैंक पास बुक आदि अभिलेख लेकर धान की खरीद किए जाने के निर्देश दिया। उन्होंने तौल में किसी भी प्रकार की शिकायत आने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाया जाना ठीक नहीं

अयोध्या। विद्युत विभाग द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं के मकानों में लगाये जा रहे स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर रोक लगाने हेतु भारतीय किसान यूनियन ने मुख्य अभियंता मध्यांचल जोन को पत्र सौंप कर स्मार्ट प्रीपेड मीटर की तमाम खामियों को गिनाया है। उक्त जानकारी देते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने बताया कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर की जांच पावर कॉरपोरेशन की उच्च स्तरीय टीम द्वारा कराया गया था जिसमे पावर फैक्टर गलत रिकॉर्ड करना, आरटीसी 2 घंटे में ट्रिप करना,पी टी रिसीवो का गलत फैक्टर बताना आदि प्रमुख है। इस प्रकार स्मार्ट प्रीपेड मीटर किसी दशा में लगाना उचित नहीं है और तत्काल रोक लगाने की मांग किया है।

फन्दे पर झूला युवक

कौशाम्बी। मंझनपुर क्षेत्र के भड़ेसर गांव में कलह से तंग युवक घर के भीतर फन्दे पर झूल गया। इससे पहले उसने अपने गांव के ही साथियों के मोबाइल पर गुड मार्निग का मैसेज भेजा। वहीं सूचना पर पंहुची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एकलौते पुत्र की मौत से घर में मातम छाया हुआ है।भड़ेसर निवासी लालता प्रसाद रिटायर्ड होमगार्ड कर्मी है। उन्होंने अपनी तीन बेटियों की शादी पहले ही कर दी थी। जबकि 26 वर्षीय एकलौते बेटे संदीप तिवारी की शादी चार माह पहले क्षेत्र के ही कोड़र निवासी प्रीती के साथ की थी दाम्पत्य जीवन सुखमय चल रहा था। माह भर पहले पत्नी अपने मायके गई हुई थी। वहीं संदीप का परिवार में किसी न किसी बात को लेकर कलह हुआ करती थी। इससे वह काफी परेशान रहा करता था। शुक्रवार की शाम भी किसी बात को लेकर परिजनों से कहासुनी हुई। इसके बाद संदीप अपने कमरे में सोने चला गया। गांव के कुछ लोगो ने बताया कि भोर करीब साढ़े तीन बजे गांव के ही कई साथियों के मोबाइल पर संदीप ने गुड मार्निग का मैसेज भेजा। वहीं जब परिवार के लोग सुबह उठे और देखा कि काफी देर तक संदीप अपने कमरे से बाहर नही निकला था। इस पर पिता ने उसे आवाज लगाई, लेकिन जवाब नही मिला। परिजन जब कमरे में गए और उसका शव फांसी पर लटकता देखा तो पैरों तले जमीन खिसक गई।

संक्षेप

वसूली की होगी कार्यवाही

प्रतापगढ़। परियोजना अधिकारी डूडा बताया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना सबके लिये आवास शहरी के अन्तर्गत लाभार्थी व्यक्तिगत आवास निर्माण के अन्तर्गत नगर पंचायत अन्तू, बेल्हा प्रतापगढ़, डेरवा बाजार, ढकवा, गड़वारा, हीरागंज बाजार, कटरा गुलाब सिंह, कटरा मेंदनीगंज, कोहड़ौर, कुण्डा, लालगंज, मानधाता, मानिकपुर, प्रतापगढ़ सिटी, पृथ्वीगंज, रामगंज, रानीगंज व सुवन्सा की स्वीकृत डीपीआर में प्रथम किस्त व द्वितीय किस्त प्राप्त लाभार्थियों द्वारा आवास का निर्माण कार्य पूर्ण न करने वाले उन लाभार्थियों की सूची सम्बन्धित नगर पंचायत में चस्पा/उपलब्ध रहेगी। लाभार्थियों द्वारा 03 दिवस में आवास का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किया जाता है तो अपात्र करते हुये कटैलमेंन्ट व वसूली की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जायेगी।

जनहित याचिका खारिज की

प्रतापगढ़। उप जिला निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में योजित जनहित याचिका 718/2024 डा0 के0ए0 पाल बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया व अन्य को दिनांक 26 नवम्बर 2024 को माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा खारिज कर दिया गया है जिसमें भारतीय चुनावों में पेपर बैलट प्रणाली को फिर से शुरू करने की मांग की गई थी। अन्य याचिकाओं में चुनाव के दौरान पैसे, शराब और अन्य प्रलोभन बाटने का दोषी पाये जाने पर उम्मीदवारों को कम से कम 5 साल के लिये अयोग्य घोषित करने के लिये चुनाव आयोग को निर्देश जारी करना शामिल था। न्यायालय में याचिकाकर्ता के ईवीएम से छेड़छाड़ के दावों को खारिज कर दिया गया।न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति पी0वी0 वराले की पीठ ने याचिका को इस टिप्पणी के साथ खारिज कर दिया गया कि ''होता यह है कि यदि आप चुनाव जीतते है तो ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं की गई है और जब आप चुनाव हारते है तो ईवीएम से छेड़छाड़ की गई है''। जब चन्द्रबाबू नायडू हार गये तो उन्होने कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। अब इस बार जगन मोहन रेड्डी हार गये तो उन्होने कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। पीठ द्वारा निष्कर्ष निकाला गया कि जनहित याचिका में पर्याप्त योग्यता नहीं है जिसके आधार पर इस याचिका को खारिज कर दिया गया है।

इच्छुक व्यक्ति नीलामी में भाग लें,

प्रतापगढ़। उप जिलाधिकारी लालगंज ने बताया है कि आपूर्ति विभाग तहसील लालगंज के प्रवर्तन अधिकार/पूर्ति निरीक्षक द्वारा प्रवर्तन कार्य के दौरान जब्तशुदा खाद्यान्न 30 बोरी हाथ से सिली हुई जिनमें 1799 किग्रा चावल तथा मशीन से सिली हुई 04 बोरी जिनमें 03 बोरी में 147.1 किग्रा चावल तथा 01 बोरी में 51.02 किग्रा गेहूँ को राज्य सरकार के पक्ष में जब्त करते हुये जब्तशुदा खाद्यान्न के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जब्तशुदा खाद्यान्न की गठित समिति के माध्यम से नीलामी द्वारा खाद्यान्न का निस्तारण किया जाना है। खाद्यान्न की नीलामी दिनांक 17 दिसम्बर 2024 को अपरान्ह 2 बजे तहसील सभागार लालगंज में नियत की गयी है। नीलामी में शामिल होने वाले इच्छुक व्यक्ति/फर्म खाद्यान्न का मुआयन कर खाद्यान्न की नीलामी में भाग ले सकते हैं। नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति/फर्म मण्डी समिति में पंजीकृत (थोक/अढ़तिया वैध लाइसेन्सी) हो व फर्म जी0एस0टी0 में पंजीकृत हो। नीलामी तिथि से पूर्व दिनांक 13 दिसम्बर तक इच्छुक व्यक्ति/फर्म कार्यालय से सम्पर्क कर आवेदन कर सकते है तथा नीलामी से सम्बन्धित अन्य जानकारी प्राप्त कर सकता है। नीलामी के दौरान अधिकतम बोली लगाने वाले व्यक्ति/फर्म के पक्ष में नियमानुसार खाद्यान्न अवमुक्त किया जायेगा।

साक्षात्कार 04 दिसम्बर को

प्रतापगढ़। अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार ने बताया है कि जनपद न्यायालय में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में पराविधिक स्वयं सेवक के तौर पर कार्य करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के कुल 108 आवेदन पत्र प्राप्त हुये है। प्राप्त आवेदन पत्रों के अभ्यर्थियों का माननीय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश के आदेशानुसार उनकी अध्यक्षता में गठित चयन समिति के द्वारा दिनांक 02 दिसम्बर, 03 दिसम्बर व 04 दिसम्बर को अपरान्ह 4.30 बजे जनपद न्यायालय प्रतापगढ़ के सभागार में साक्षात्कार लिया जायेगा। पराविधिक स्वयं सेवक के तौर पर कार्य करने के इच्छुक आवेदक/अभ्यर्थी अपने आवेदन में उल्लिखित शैक्षणिक योग्यता व अन्य समस्त प्रपत्रों के मूल प्रमाण पत्र के साथ नियत तिथि को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिविल कोर्ट के कार्यालय में उपस्थित हो। अधिक जानकारी के लिये कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिविल कोर्ट प्रतापगढ़ में सम्पर्क करें।

युवक पर छात्रा को भगाने का आरोप

सिराथू, कौशाम्बी। पईसा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक छात्रा एक हफ्ते पहले स्कूल गई थी, देर शाम तक छात्रा घर नहीं पहुंची पुलिस को पिता ने खोजबीन की तो पता चला कि पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के एक गांव का एक युवक उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया है , जिसके बाद छात्रा के पिता ने आरोपी युवक को फोन किया तो आरोपी युवक छात्रा व उसके पिता को जान से मारने की धमकी देने लगा, अनहोनी की आशंका जताते हुए छात्रा के पिता ने मामले की लिखित शिकायत पईसा पुलिस से की तो पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है।

चौपाल में सुनी गई समस्याएं

सिराथू, कौशाम्बी। विकास खंड कड़ा के दौलतपुर कसार ग्राम पंचायत में शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे ग्राम सचिव ताज मोहम्मद ने शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास , पेंशन सहित तमाम योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए चौपाल में मौजूद लोगो की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान अनिल कुमार शर्मा ने ग्राम पंचायत में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, पारिवारिक लाभ योजना , निराश्रित महिला पेंशन , सहित विभाग की अन्य योजनाओं की जानकारी दी। चौपाल में ग्राम प्रधान अनिल शर्मा , सचिव ताज मोहम्मद , एपीओ मनरेगा अशोक कुमार , मुख्य सेविका ज्ञानमती, सचिन कुमार, कंप्यूटर आपरेटर प्रवीण कुमार सहित आशा , आंगनबाड़ी सहित तमाम अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें। इसी तरह कड़ा ब्लॉक के निजाममई ग्राम पंचायत में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जहां मौजूद सचिव सुरेश चंद्र मौर्य ने शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई।

प्रमाणपत्र व बेल्ट वितरित कर किया प्रोत्साहित

अयोध्या। स्पोर्ट्स कराटे संघ के तत्वाधान मे कलर बेल्ट टेस्ट बेल्ट प्रतियोगिता कराई गई जिसमें अकादमी के 70 से अधिक बच्चों ने प्रतिभाग करते हुए अपना खेल दिखाया सोमवार को नतीजे घोषित किए गए जिसमें 50 बच्चों ने सफलता अर्जित की जिसके कलर बेल्ट सेरेमनी में पहुंचे मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने विजेता बच्चों को प्रमाणपत्र और बेल्ट वितरित की और बच्चों को आशीर्वाद देते हुए प्रोत्साहित भी किया। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने बताया कि सफलता पाना हो या फिर किसी लक्ष्य को हासिल करना हो इसके लिए नियमित अभ्यास करना जरूरी है।

विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष स्पोर्ट्स कराटे संघ राजेश प्रताप सिंह ने कहा कि एक खिलाड़ी के अंदर चुस्ती फुर्ती निगाहों की तेजी और नए–नए टेक्निक्स को जानने की इच्छा होनी चाहिए। हरिओम शर्मा सचिव स्पोर्ट्स कराटे संघ अयोध्या ने बताया कि कराटे में कलर बेल्ट टेस्ट में अलग–अलग बेल्ट के लिए हुई परीक्षा में वाइट बेल्ट से येलो बेल्ट में श्रेयांशी सिंह, आराध्या सिंह, समीक्षा मिश्रा, प्रभाव, युवराज, आराध्य, कीर्ति, शिवांशी, आराध्या, वैभव, शैलजा, श्रेया अलंकृता, रितिका, प्रज्वल, दुर्गेश आजाद, स्वाति, मिस्टी, साबित, सारबिल, सुमित, वामिका, तेजस, अक्षत सोनी, काव्या, संस्कृति, रुद्रांश, आस्था, वेदांशी, अवनीत, शिवांश व अथर्व ने येलो बेल्ट हासिल किया। येलो बेल्ट से ऑरेंज बेल्ट को अविका, अनन्या, दिव्यांका श्रीवास्तव, रेयांश विश्वकर्मा, कार्तिक, अनिकेत,अनन्या व हर्ष राज ने हासिल किया। ऑरेंज बेल्ट से ब्लू बेल्ट को मानसी, अंशिका, वैष्णवी, वंश, सिद्धार्थ शर्मा, आदित्य रावत व दिव्यांश पांडे ने प्राप्त किया। ब्लू बेल्ट से ग्रीन बेल्ट को श्रेष्ठ पांडे, रौनक त्रिपाठी व अरिहंत सिंह ने प्राप्त किया। ग्रीन बेल्ट से पर्पल बेल्ट को आदित्य पांडे, तेजस राय, रुद्र व अधित पटेल ने प्राप्त किया। पर्पल बेल्ट से ब्राउन बेल्ट को अर्पण कांत व प्रशांत विक्रम ने हासिल किया। प्रतिभागी बच्चों की प्रतिभा परखने का काम नेशनल रेफरी हरिओम शर्मा ने किया उन्होंने प्रतियोगिताओं से विभिन्न प्रकार के किक ब्लॉक पंच और सेल्फ डिफेंस के बारे में भी सवाल पूछे।

जिला उद्योग बन्धु की बैठक में की गयी चर्चा

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला उद्योग बन्धु की बैठक में गोड़े में स्थापित आंवला एक्सपोर्ट डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन/एस0पी0बी0 के सम्बन्ध में चर्चा की गयी तथा उद्यमियों/व्यापारियों से सुझाव प्राप्त किये गये। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के विकास खंड सदर अंतर्गत ग्राम गोड़े में एक आंवला पैक हाउस का निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है, जो जल्द ही संचालित होगा। पैक हाउस में किसानों को बड़े पैमाने पर अपने आंवला की ग्रेडिंग करने, उसके विभिन्न प्रकार के उत्पादों में सहायता उपलब्ध कराने, यांत्रिकी सुविधा उपलब्ध कराने, तकनीकी सहायता देने, एक्सपोर्ट/इंपोर्ट के संबंध में उनका मार्गदर्शन करने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का संचालन पैक हाउस से किया जाएगा। संस्था/एसपीवी के संचालन से आंवला प्रसंस्करण के क्षेत्र में जिले में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन होगा जिससे आंवला किसानों एवं उद्यमियों के आय में वृद्धि होगी। किसानों के प्रोडेक्ट को उच्च स्तर पर पहुँचाया जायेगा जिससे उन्हें उच्चतम मूल्य प्राप्त हो सकेगा। बैठक के दौरान यह भी बताया गया कि संस्था/एसपीवी के संचालन में जन सहभागिता को बढ़ावा देने के लिये कार्यकारिणी समिति में पर्याप्त संख्या में गैर सरकारी सदस्यों को शामिल करने का प्राविधान किया गया है। यह गैर सरकारी सदस्य आंवला प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े किसान/उद्यमी/एफपीओ के लोग होगें। उन्होंने बैठक में उपस्थित लोगों से अधिक से अधिक संख्या में आजीवन, सदस्य साधारण सदस्य व इंडस्ट्री के लोगों तथा एफपीओ, स्वयं सहायता समूह तथा आंवला किसानों को जोड़ने के संबंध में अभियान चलाकर आंवला पैक हाउस के उद्देश्यों को सफल बनाने की लोगों से अपील की। बैठक में एसपीवी के बाईलाज आदि पर भी चर्चा की गयी। बैठक में उद्यमी मो0 अनाम ने कहा कि ओडीओपी को बढ़ावा देने के लिये सभी आपस में मिलकर प्रयास करें जिससे किसानों को ज्यादा से ज्यादा फायदा हो सके।

उपायुक्त उद्योग ने बताया कि रूपये 10,000 का शुल्क जमा करके कोई भी व्यक्ति फाउंडेशन का आजीवन सदस्य व रूप्ये 1000 जमा कर साधारण सदस्य बन सकता है। बैठक में इसके अतिरिक्त अन्य उद्यमियों/व्यापारियों/किसानों ने भी अपने–अपने सुझाव दिये। बैठक में उपायुक्त उद्योग अजय कुमार त्रिपाठी, एलडीएम गोपाल शेखर झा, जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा, अधिवक्ता विवेक उपाध्याय सहित उद्यमियों में मो0 अनाम, रोशन लाल ऊमरवैश्य, रमेश बहादुर सिंह, राजकुमार सिंह, नीरज मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

खलिहान की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा, शिकायत

कौशाम्बी। ग्राम प्रधान बसोहनी द्वारा खलिहान की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर प्रधान दबंगई पर आमादा है। ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना जिलाधिकारी व थाने में किया गया। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई एसडीएम सिराथू द्वारा एक टीम गठित कर जांच हेतु आदेश किया गया जांच की रिपोर्ट के उपरांत बेदखली का आदेश पारित किया गया। लेकिन आज तक प्रधान द्वारा जमीन को खाली नहीं किया गया। अपने गुंडे के दम पर खलिहान की जमीन पर खंडिजा बिछाकर कब्जा कर रहा है। इस सम्बन्ध में उच्च न्यायालय द्वारा भी तीन महीने का समय दिया गया था।

एनटीपीसी विंध्याचल की पर्यावरणीय पहल

सोनभद्र। भारत के सबसे बड़े थर्मल पावर स्टेशन एनटीपीसी विंध्याचलजिसकी स्थापित क्षमता 4783 डॅ है, ने 2024 में पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक कदम आगे बढ़ाया है। इस वर्ष, संयंत्र ने अपने पारिस्थितिकीय प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं, जिनका उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण, उत्सर्जन में कमी और स्थानीय पर्यावरण को बेहतर बनाना है।जिसमें एनटीपीसी विंध्याचल ने एनटीपीसी विंध्याचल ने भारत सरकार की नई पहल एक पेड़–माँ के नाम के तहत पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस वर्ष अपने आस–पास के क्षेत्रों में 1 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया है।इस पहल का उद्देश्य प्रत्येक कर्मचारी, अधिकारी और समुदाय के सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हरित क्षेत्र को बढ़ावा देना और सामूहिक रूप से पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ाना है।एनटीपीसी विंध्याचल ने अभी तक 27 लाख से अधिकवृक्षारोपणकर पर्यावरणीयसंरक्षणके प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया है। यह पहल स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली में योगदान देती है और क्षेत्र के हरित आवरण को बढ़ावा देती है। वृक्षारोपण अभियान स्थानीय समुदायों और वन विभाग के सहयोग से किया गया, जिससे सही प्रजातियों के पौधे लगाए जा सकें और मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार हो सके।एनटीपीसी विंध्याचलताप विधुत उत्पादन के अतिरिक्त 15 मेगावाट सौर ऊर्जा तथा 8 मेगावाट लघु जल विधुत संयंत्र का संचालन करता है। इसका उद्देश्य, संयंत्र के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और देश की नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्यों में योगदान करने की है।जल संरक्षण एनटीपीसी विंध्याचल की प्राथमिकताओं में से एक है। संयंत्र ने उन्नत जल पुनर्चक्रण तकनीकों एवं वर्षा जल संचयन प्रणालियों के माध्यम से अपने जल उपयोग में महत्वपूर्ण कमी की है। इन उपायों से पानी के कुशल उपयोग को सुनिश्चित किया गया है और स्थानीय जल संसाधनों पर निर्भरता कम की गई है।

एनटीपीसी विंध्याचल गैस डिसल्फराइजेशन (थ्ळक) सिस्टम एवं छव्• जैसी उन्नत उत्सर्जन नियंत्रण तकनीकों में भारी निवेश किया है, जिससे सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है। इसी कड़ी में मिस्ट फोगर मशीन तथा स्वचालित रोड क्लीनिंग मशीनका भी संचालन सुनिश्चित किया है जिससे की सड़क के आसपास परिवहन द्वारा उत्सर्जित होने वाली धूल को नियंत्रित किया जा सके। संयंत्र पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (डवम्थ्–ब्ब) द्वारा निर्धारित सख्त पर्यावरण मानकों का पालन करता है।

एनटीपीसी विंध्याचल ने अपनी कार्बन कटौती की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 10 ज्च्क् क्षमता की ब्व्2 से मेथनॉल परियोजना की स्थापना भी कर रहा है। यह परियोजना भारत ही नहीं वरन विश्वकी अपनी तरह की पहली परियोजना है। इस परियोजना का उद्देश्य संयंत्र द्वारा उत्पन्न कार्बन डाइऑक्साइड को मेथनॉल में परिवर्तित करना है, जो एक स्वच्छ ईंधन और औद्योगिक रसायन के रूप में उपयोग किया जाएगा। यह पहल न केवल ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करती है।

किसानों की सुविधा के लिए होती है चकबन्दी प्रक्रिया

चित्रकूट(आरएनएस)। चकबन्दी प्रक्रिया के दौरान किसानों को होने वाली समस्याओं एवं उनकी शिकायतों को सुनने के लिए अपर जिलाधिकारी न्यायिक एवं उप संचालक चकबन्दी राजेश प्रसाद ने मंगलवार को कलवारा खुर्द और अगरहुण्डा गांव में ग्राम चौपाल का आयोजन किया। जिसमें क्षेत्रीय किसानों की समस्याएं सुनी गईं।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा किसानों की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से करने के निर्देश सभी विभागों को दिए गए है। खासतौर से चकबन्दी प्रक्रिया को निष्पक्षता और पारदर्शितापूर्वक गति प्रदान करने के लिए डीएम ने ग्राम चौपाल का आयोजन कराने को कहा है। जिसमें लम्बे अर्से से चकबन्दी के लिए चयनित गांवों में सुस्त पड़ी प्रक्रिया को गति प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी न्यायिक एवं उप संचालक चकबन्दी राजेश प्रसाद ने मंगलवार को कलवारा खुर्द और अगरहुण्डा गांव में चौपाल लगाकर चकबन्दी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि जिले के 56 गांवों में चकबन्दी प्रक्रिया चल रही है। चकबन्दी का उद्देश्य गांव के किसानों को सुविधाएं प्रदान करना है। जिससे अलग–अलग टुकड़ों में बंटे किसानों के खेतों को उनके हक के अनुरूप एक ही स्थान पर कर दिया जाता है। इसके अलावा आवागमन के लिए चकरोड़ और नाली की व्यवस्था भी हो जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान यदि किसी किसान को कोई समस्या हो या शिकायत हो, तो वह चौपाल में बता सकते है। इसके अलावा जिला मुख्यालय में आकर भी इसकी जानकारी उन्हें दी जा सकती है। जिससे चकबन्दी प्रक्रिया को गति प्रदान की जा सके।चौपाल में बंदोबस्त अधिकारी चकबन्दी मनोहर लाल वर्धन, सहायक चकबन्दी अधिकारी सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, लेखपाल सुरेन्द्र कुमार, शुभम उत्तम समेत ग्राम प्रधान व किसान आदि मौजूद रहे।

रुपए लेकर नौकरी दिलाई

चित्रकूट(आरएनएस)। बहिलपुरवा के कैलहा निवासी इरशाद अली, इटखरी शिवरामपुर के विवेक कुमार व प्रयागराज रोड कर्वी निवासी चिरंजीव चतुर्वेदी ने नागरिक उड्डयन विभाग उप्र को लिखे पत्र में बताया कि अगस्त माह में स्थानीय सीतापुर निवासी एक मध्यस्थ के माध्यम से शहर के एक होटल में आउटसोर्सिंग के ठेकेदार विनोद यादव के पास नौकरी के लिए गये थे। कुल 12 लोगों से 60–60 हजार रुपये लेकर उन्हें हेल्पर व इलेक्ट्रिशियन के काम में संविदा पर रख लिया गया। तीन ने आरोप लगाया कि दो माह तक काम कराने के बाद अब उन्हें एयरपोर्ट के अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। कहा जाता है कि यहां से उनकी नौकरी खत्म हो गई है। आरोप लगाया कि इसके बाद उन्होंने ठेकेदार व मध्यस्थ से रुपये लौटाने के लिए कहा तो उन्हें धमकी देकर भगा दिया गया। इस संबध में हाईटेक पावर सिस्टम आउससोर्सिंग के ठेकेदार विनोद यादव ने कहा कि इन्हें काम से हटाया नहीं गया है।

तेज रफ्तार टवेरा ने बाइक सवार को मारी टक्कर

बारा, (कौशाम्बी)। कौशाम्बी थाना क्षेत्र के किल्लनहाई नदी के पास सराय अकिल मार्ग से उल्टा साइड से तेज गति से आ रही टवेरा चारपहिया वहां बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दिया जिसमे बाइक सवार गम्भीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों ने 112, और 102 को सूचना दिया गंभीर अवस्था में स्थानीय हॉस्पिटल सराय अकिल के डॉक्टरों ने प्रयागराज के लिए रेफर किया। वही परिजनों को सूचना होते ही प्रयागराज के निजी अस्पताल में भर्ती कर इलाज के लिए पहुंचे मामले की जांच थाना कौशाम्बी ने शुरू किए और थाना प्रभारी उर्मिला सिंह ने बताया कि ड्राइवर मौके से फरार हो गए। चार पहिया वहां और क्षतिग्रस्त दोपहिया वाहन को थाना कौशाम्बी लाया गया।

महाकुंभ 2025 : सीएम योगी कर सकते हैं महाकुंभ मेले में बने केंद्रीय हॉस्पिटल और खोया पाया केंद्र का उद्घाटन

प्रयागराज। प्रयागराज विश्व से सबसे बड़े मानवीय समागम और सनातन संस्कृति के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ 2025 का साक्षी बनने जा रहा है। दुनिया के कोने–कोने से 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के महाकुंभ में आने का अनुमान है। मुख्यमंत्री महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रखना चाहते। उनके विजन और मार्गदर्शन के मुताबिक मेला प्राधिकरण और अन्य सभी विभाग महाकुंभ की तैयारियों में पूरे जोश और उत्साह के साथ कार्यरत हैं। 13 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुंभ के निर्माण कार्यों का निरीक्षण और उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री स्वयं प्रयागराज आ रहे हैं। इस अवसर पर वो मेला क्षेत्र में बने केंद्रीय हॉस्पिटल और खोया पाया केंद्र का उद्घाटन व अन्य निर्माणाधीन प्रोजेक्टस का निरीक्षण भी करेंगे। महाकुंभ 2025, 13 जनवरी पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ शुरू होगा। इसके पहले महाकुंभ मेला नगरी के साथ–साथ प्रयागराज शहर में भी कई स्थाई व अस्थाई निर्माण कार्य हो रहे हैं। मेला प्राधिकरण के साथ–साथ, नगर निगम, पीडब्लूडी, प्रयागराज विकास प्राधिकरण, राज्य सेतु निगम व अन्य कई विभागों के निर्माण कार्य प्रयागराज में चल रहे हैं। इनमें से कई कार्य पूरे हो चुके हैं और कई अंतिम दौर में है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ स्वयं महाकुंभ के इन निर्माण कार्यों का निरीक्षण और समीक्षा करने प्रयागराज आ रहे हैं। पीएम मोदी के आगमन से पूर्व सीएम योगी का प्रयागराज दौरा संभावित है। इस अवसर पर वो मेला क्षेत्र में बन रहे केंद्रीय हॉस्पिटल, खोया–पाया केंद्र और सेक्टर–1 में बन रहे पब्लिक एकमोडेशन सेंटर का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वह महाकुंभ क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण करेंगे। इसके साथ ही परेड ग्राउंड में बने पुलिस लाइन में महाकुंभ के लिए आए पुलिस कर्मियों को भी सम्बोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 13 दिसंबर को संभावित प्रयागराज यात्रा से पहले सीएम योगी का प्रयागराज का ये दूसरा दौरा होगा। सीएम योगी अपने इस दौरे पर प्रयागराज में बन रहे 6 लेन गंगा सेतु का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वो शहर के अंदर बन रहे अलोपीबाग फ्लाई ओवर की कार्य प्रगति का निरीक्षण और समीक्षा करेंगे। मेला क्षेत्र में संबोधन और उद्घाटन कार्य के बाद गंगा रिवर फ्रंट रोड, झूंसी का निरीक्षण कर सकते हैं। साथ ही अरैल बंधा रोड, त्रिवेणी पुष्प, फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का अवलोकन करने की भी संभावना है। इसके साथ ही वह अरैल क्षेत्र में नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे शिवालय पार्क का भी निरीक्षण करने जा सकते हैं।

सिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा फरवरी, टीजीटी-पीजीटी अप्रैल में

प्रयागराज। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा नौ व दस फरवरी को आयोजित की जाएगी। वहीं, अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में पीजीटी (प्रवक्ता) के 624 व प्रशिक्षित स्नातक (टीजीटी) के 3539 पदों के लिए लिखित परीक्षा क्रमशरू चार व पांच अप्रैल और 11 व 12 अप्रैल को होगी। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के परीक्षा नियंत्रक ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर इन परीक्षाओं के लिए 19 जून 2024 के शासनादेश के अनुसार परीक्षा केंद्रों की लिस्ट शीघ्र मांगी है। इन दोनों भर्तियों के लिए ढाई साल पहले विज्ञापन जारी किए गए थे और 2022 में आवेदन प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है लेकिन नए आयोग के गठन के इंतजार में दोनों भर्तियां अटकीं रह गईं। असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए 31 अगस्त 2024 व टीजीटीधीजीटी के लिए 16 जुलाई 2022 तक आवेदन लिए गए थे। उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के गठन के बाद प्रतियोगी छात्रों ने कई बार ज्ञापन देकर भर्ती परीक्षा की तिथि घोषित करने की मांग की। असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए तकरीबन 1.14 लाख अभ्यर्थियों और टीजीटी–पीजीटी के 1333136 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं।

प्रदेश के सभी 75 जिलों में होगी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा

प्रयागराज। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 प्रदेश के सभी 75 जिलों में आयोजित की जाएगी। मंगलवार को उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग (यूपीपीएससी) में सभी 75 जिलों के नोडल अफसरों की बैठक बुलाई गई, जिसमें परीक्षा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। आयोग अगले हफ्ते अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र जारी करेगा। पीसीएस परीक्षा–2024 के तहत 220 पदों पर भर्ती के लिए 5,76,154 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किए हैं। प्रारंभिक परीक्षा 22 दिसंबर 2024 को प्रस्तावित है। इस बार केंद्र निर्धारण के नियम सख्त किए जाने से आयोग को एक दिन में परीक्षा कराने के लिए पर्याप्त संख्या में केंद्र नहीं मिल रहे थे। पीसीएस परीक्षा को विशिष्ट श्रेणी में रखते हुए शासन ने नियम शिथिल किए तो एक दिन में परीक्षा कराने के लिए केंद्रों की व्यवस्था हो सकी। हालांकि, इसके बाद भी आयोग को सभी 75 जिलों में परीक्षा करानी पड़ रही है जबकि इससे पूर्व पीसीएस–2023 की प्रारंभिक परीक्षा प्रदेश के 51 जिलों में आयोजित की गई थी, जिसके लिए 5,65,459 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए थे। इस बार 10695 अभ्यर्थी कम हैं लेकिन परीक्षा वाले जिलों की संख्या 51 से बढ़ाकर सीधे 75 कर दी गई है। ऐसे में स्पष्ट है कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा के लिए निजी स्कूलों को केंद्र नहीं बनाया गया है।

मास्टर प्रत्यूष के भजनों पर झूमे श्रोता

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के शिल्प मेला के तीसरी शाम सांस्कृतिक संध्या में प्रयागराज के मास्टर प्रत्यूष श्रीवास्तव और रत्नेश दुबे के नाम रही। दोनों भजन गायकों ने मुक्ताकाशी मंच पर एक से बढ़कर एक भक्ति पर केंद्रित भजनों की प्रस्तुति की। भजन 'जा तोसे नहीं बोलूं कन्हैया राह चलत पकड़े मोरी बईयां, 'तेरी करुणा से सब की विपदा टली जय हो बजरंगबली की प्रस्तुति पर श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाई। इसके बाद दोनों कलाकारों ने 'जटा जूट में गंग विराजे माथे अर्द्ध चंद्रमा विराजे, 'मेरे उठे विरह के पीर सखी वृंदावन जाऊंगी की मनमोहक प्रस्तुति की।

चिल्ड्रेन अस्पताल में दो घंटे गुल रही बिजली

प्रयागराज। बिजली के खंभे में लगी केबल से शॉर्ट सर्किट होने के कारण चिल्ड्रेन अस्पताल की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बीती रात लगभग आठ बजे पोल पर ताल से अचानक चिंगारी उठने के कारण बिजली गुल हो गई। चिंगारी के कूड़े पर गिरने से आग लग गई। अस्पताल की ओर से टैगोर टाउन विद्युत उपकेंद्र को फोन किया गया, लेकिन किसी से बात नहीं हो पाई। उसके बाद बिजली विभाग की शिकायत हेल्पलाइन पर फोन किया। हेल्पलाइन नंबर भी किसी ने नहीं उठाया। बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण अस्पताल में अंधेरा छा गया। हालांकि बैकअप से आवश्यक उपकरण संचालित होते रहे। अस्पताल के डॉ. आरके यादव ने बताया कि कुछ देर के लिए बिजली आपूर्ति रुकी थी, लेकिन बैकअप की व्यवस्था होने के कारण कोई दिक्कत नहीं हुई।

135 स्कूलों में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण शुरू

प्रयागराज। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 का आयोजन हो रहा है। इसके तहत कक्षा तीन, छह व नौ के विद्यार्थियों के अधिगम स्तर का सर्वेक्षण किया जा रहा है। प्रयागराज के 135 विद्यालयों में 158 कक्षाओं में सर्वेक्षण के क्रियान्वयन के लिए प्राचार्य डायट राजेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में मंगलवार को बैठक हुई। राजेन्द्र प्रताप ने बताया कि सर्वेक्षण के लिए फील्ड इन्वेस्टिगेटर की नियुक्ति की गई है। सीबीएसई बोर्ड से भी एक जिला स्तरीय समन्वयक नामित किया गया है जिन्होंने इन 135 विद्यालयों में ऑब्जर्वर की नियुक्ति की है। सर्वेक्षण परिषदीय, राजकीय, सहायता प्राप्त विद्यालय, समाज कल्याण से मान्यता प्राप्त विद्यालय तथा सीबीएसई तथा आईसीएसई बोर्ड के विद्यालयों में कराया जा रहा है। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है।

आरटीई में निःशुल्क दाखिले को 19 तक आवेदन

प्रयागराज। आरटीई के तहत गैर सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों की 25 प्रतिशत सीटों पर अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को कक्षा एक एवं पूर्व प्राथमिक कक्षा में प्रवेश देने के लिए प्रथम चरण के ऑनलाइन आवेदन 19 दिसंबर तक लिए जाएंगे। बेसिक शिक्षा अधिकारी 20 से 23 दिसंबर तक आवेदन पत्रों का सत्यापन करते हुए लॉक करेंगे और 24 दिसंबर को लाटरी निकाली जाएगी। बच्चों के प्रवेश के लिए गैर सहायतित मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के आवंटन की सूची 27 दिसंबर को जारी होगी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिला स्तर पर यू–डायस के सापेक्ष शत–प्रतिशत गैर सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों की आरटीई पोर्टल पर मैपिंग एवं पंजीकरण कराते हुए प्रवेश के लिए कक्षा एक व पूर्व प्राथमिक कक्षा की कुल क्षमता के आधार पर जनपद का लक्ष्य निर्धारण कराया जाए।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संः 12320242025 दिनांकः 02.12.2024

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 24.12.2024 को 13.30 बजे** तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा नं.ः 253	अनुमानित मूल्य (रू.)ः ₹ 8,63,83,741.17
कार्यों का विवरणः वरिष्ठ मण्डल इन्जीनियर/प्रथम/प्रयागराज के अधीन दीनदयाल उपाध्याय-प्रयागराज सेक्शन में पीक्यूआरएस के द्वारा थ्रू स्लीपर रिनीवल/प्राइमरी कार्य।	
बयाने की रकम (रू) ः ₹ 5,81,900.00	कार्य समापन की अवधि ः 12 माह
निविदा खुलने की तिथि ः 24.12.2024	
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः कोई भी पी. वे कार्य।	

नोट ः- (1) आनलाइन निविदा खुलने की तिथि को **13:30 बजे** तक प्रस्तुत की जा सकती है। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर **समय 13:30 बजे** तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। **2076/24(A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

ईको फ्रेंडली होगा कुंभनगर, 25 हजार को मिलेगा रोजगार, 8000 से अधिक संस्थाओं को बसाने का लक्ष्य

प्रयागराज। संगम की रेती पर इस बार कुंभनगर पूरी तरह इको फ्रेंडली होगा। बांस–लकड़ी से संतों, महंतों, आचार्यों, महामंडलेश्वरों और शंकराचार्यों के शिविर बनाए जाने लगे हैं। इसकी बसावट से पांच राज्यों के 25 हजार से अधिक कारीगरों को रोजगार मिल रहा है। महाकुंभ में इस बार आठ हजार से अधिक संस्थाओं को बसाने का लक्ष्य हैं। जो पिछले कुंभ की तुलना में डेढ़ गुने से अधिक हैं। इन संस्थाओं में 3800 संस्थाएं ऐसी हैं जो कुंभ में सनातन धर्म के प्रचार के लिए शिविर लगाती रही हैं। इन्होंने बांस से शिविर और प्रवेश द्वार निर्माण को प्राथमिकता दी है। शास्त्री पुल के नीचे शिविर का निर्माण करा रहे देवरहा बाबा न्यास मंच के महंत राम दास का कहना है कि महाकुंभ हो या माघ मेला, त्याग और संयम के साथ रेती पर कल्पवास की परंपरा रही है। बांस के शिविर में अलग ही आनंद मिलता है। इसलिए ईको फ्रेंडली शिविर बनाने को प्राथमिकता दी जा रही है। अखाड़ा क्षेत्र में श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी में 32 झोपड़ियां बांस से बनाई जा रही हैं। शिविर को तैयार करने के लिए यूपी, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश से 25 हजार से अधिक कारीगर आए हैं। बिहार के पूर्णिया से आए कारीगर शंभू का बताते हैं कि उनके राज्य के चार जिलों से सात हजार से अधिक श्रमिक कॉटेज लगाने का काम कर रहे हैं। शिविर की कुटिया, यज्ञशाला और एकांत साधना कक्ष के निर्माण के लिए बांस और सरपट के शिविरों की मांग अधिक है। क्टेयर में बसने वाले मेला क्षेत्र में इस बार 25 सेक्टर बनाए जा रहे हैं। हर सेक्टर में 400 से अधिक संस्थाएं बसाई जा रही हैं। दारागंज, हेतापट्टी, मलवा छतनाग, झूंसी में शिविरों का निर्माण करने के लिए कारीगरों की डिमांड ज्यादा है।

महाकुंभ में कुंभ की गाथा सुनाएंगे देश के चर्चित कलाकार.. दिग्गज एक्टर राणा 'हमारे राम' पर देंगे प्रस्तुति

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 को श्रद्धालुओं के लिए यादगार बनाने के लिए योगी सरकार कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करने की योजना पर काम कर रही है। एक तरफ जहां बॉलीवुड के तमाम सितारे अपनी सुरीली आवाज में यहां श्रद्धालुओं को आध्यात्म और संस्कृति के रस से सराबोर करेंगे तो वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक संध्या में महाकुम्भ से जुड़ी गाथाओं और रामलीला व महाभारत की लीलाओं का भी मंचन होगा। इन प्रस्तुतियों के लिए भी देश के दिग्गज और नामचीन सितारे महाकुम्भ मेला क्षेत्र में पहुंचेंगे और श्रद्धालुओं का मनोरंजन करेंगे। फेमस बॉलीवुड एक्टर आशुतोष राणा हमारे राम पर अपनी प्रस्तुति देंगे तो एक्ट्रेस और सांसद हेमामालिनी गंगा अवतरण पर कला का परिचय देंगी। महाभारत सीरियल फेम पुनीत इस्सर महाभारत की अपनी प्रस्तुति से लोगों को प्रचीन भारत के युग में ले जाएंगे। यह सभी कार्यक्रम गंगा पंडाल में आयोजित किए जाएंगे। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा इसका आयोजन किया जाएगा। अपनी अदाकारी से लोगों को रोमांचित करने नाले फेमस बॉलीवुड एक्टर आशुतोष राणा 25 जनवरी को गंगा पंडाल में हमारे राम की प्रस्तुति देंगे। इन नाट्य शो में वह रावण का किरदार निभाते हैं। वहीं 26 जनवरी को बॉलीवुड की लीजेंड एक्ट्रेस और मथुरा से सांसद हेमामालिनी गंगा अवतरण नृत्य नाटिका पर अपनी परफॉर्मेंस देंगी। वहीं 8 फरवरी को भोजपुरी और बॉलीवुड एक्टर व गोरखपुर के सांसद रवि किशन शिव तांडव की प्रस्तुति देंगे, जबकि 21 फरवरी को पुनीत इस्सर महाभारत शो का मंचन करेंगे। महाकुम्भ का आयोजन हो और लोगों को कुम्भ की गाथा सुनने को न मिले, ऐसा संभव नहीं। सांस्कृतिक संध्या में कुम्भ को लेकर विशेष आयोजन की तैयारी की गई है। इसकी शुरुआत 22 जनवरी को कथक केंद्र संगीत नाटक अकादमी द्वारा कुम्भ की थीम पर आधारित कथक नृत्य नाटिका से होगी। 23 जनवरी को लखनऊ की भारतेंदु नाट्य अकादमी काकोरी महागाथा प्रस्तुत करेगी। वहीं, 1 फरवरी को कोरियोग्राफर मैत्रेय पहाड़ी के द्वारा कुम्भ का सफरनामा कोरियोग्राफ शो प्रस्तुत किया जाएगा। इसी तरह 23 फरवरी को रिलायंस इंटरटेनमेंट एंड सोबो फिल्म कुम्भ गाथा को प्रदर्शित करेगी। 10 जनवरी से प्रस्तावित इन कार्यक्रमों की श्रृंखला में सबसे पहले 11 जनवरी को ओडिशा का प्रिंस ग्रुप दशावतार नृत्य की अपनी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को रोमांचित करेगा। 16 जनवरी को मथुरा का माधवा बैंड और आगरा का क्रेजी हॉपर्स, 17 जनवरी को रिकी केज, 19 जनवरी को कोलकाता की गोल्डेन गर्ल्स, 21 जनवरी को मणिपुर का बस्तर बैंड, 27 जनवरी को दिल्ली की श्रंखला डांस अकादमी, 7 फरवरी को इंडियन ओशन बैंड, 17 फरवरी को अग्नि बैंड, 19 फरवरी को मुंबई का माटी बानी बैंड, 20 फरवरी को सूफी बैंड थाई कुड़म ब्रिज और 22 फरवरी को मुंबई का कबीरा बैंड अपनी प्रस्तुतियों से लोगों को मंत्र मुग्ध करेगा। गंगा पंडाल में भारत के साथ ही अन्य देशों की रामलीलाओं का भी मंचन किया जाएगा। 18 जनवरी और 14 फरवरी को आईसीसीआर के माध्यम से जहां अन्य देशों के लोकनृत्य के साथ रामलीलाओं का मंचन होगा तो वहीं, 15 और 16 फरवरी को श्रीराम भारती कला केंद्र के द्वारा रामलीला की प्रस्तुति होगी। 22 फरवरी को मध्य प्रदेश की शालिनी खरे कथक के जरिए रामायण की प्रस्तुति देंगी। 20 जनवरी को देश के प्रसिद्ध कवियों द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। 21 जनवरी को राजेश प्रसन्ना के द्वारा धरोहर दुर्लभ लोक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुतियां होंगी। 24 जनवरी को यूपी फॉक नाइट के द्वारा कोरियोग्राफ शो और विभिन्न प्रांतों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। 18 फरवरी को प्रसिद्ध बांसुरी वादक राकेश चौरसिया अपनी सुरीली बांसुरी का प्रदर्शन करेंगे।

महाकुम्भ नजदीक, नहीं पूरा हुआ सीएचसी का कार्य

कुंडा, । प्रयागराज में लगने वाले महाकुम्भ के लिए माघ मेले के साथ ही प्रयागराज–लखनऊ हाईवे पर स्थित सीएचसी का भी सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। इसके लिए महीनों से काम शुरू है। 30 नवंबर तक हर हालत में काम पूरा करना था। 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री के कुम्भ मेले में आगमन को लेकर अधिकारियों ने सभी कार्यों की रफ्तार बढ़ा दी है, लेकिन सीएचसी का निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। प्रयागराज में होने वाले महाकुम्भ मेले में आने वाले देशी–विदेशी श्रद्धालुओं के रास्ते से गुजरने पर उनको किसी तरह की दिक्कत न हो इसके लिए प्रशासन लखनऊ–प्रयागराज राष्ट्रीय मार्ग की सीएचसी का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। जिसमें पहले से बनी सीएचसी के सभी भवनों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। चिकित्सकों के बैठने, पंजीकरण, शेड, दवा वितरण कक्ष समेत सभी कमरों में तोड़फोड़ कर सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। विभाग की माने तो 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयागराज में संभावित आगमन को लेकर उच्चाधिकारियों ने ठेकेदार को हर हालत में 30 नवंबर तक कार्य पूरा करने का निर्देश दिया था। लेकिन अभी तीन दिसंबर तक सीएचसी के सौन्दर्यीकरण, नवीनीकरण का निर्माण कार्य काफी हद तक पूरा नहीं हो सका। सीएचसी के सौंदर्यीकरण, नवीनीकरण के निर्माण कार्य को 30 नवंबर तक पूरा किए जाने का निर्देश उच्चाधिकारियों ने ठेकेदार को दिए थे। लेकिन अभी सीएचसी में काफी काम कराया जाना बाकी है।

बक्शी बांध को चमका रहे कानपुर के विद्यार्थी

प्रयागराज। महाकुम्भ के प्रमुख मार्गों में से एक बक्शी बांध का सौंदर्यीकरण जोरों पर चल रहा है। बुधवार को छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के दृश्य कला विभाग के बीस छात्र–छात्राओं ने बांध के सौ से अधिक बैठका पर कलाकृतियां उकेरने का कार्य शुरू किया। विभाग के छात्र उमेश यादव ने बताया कि हम विद्यार्थियों के समूह को आलेखन के जरिए कलाकृति बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हम लोग 25 नवंबर से प्रयागराज में हैं। नागवासुकि मंदिर से लेकर बक्शी बांध रेलवे क्रासिंग तक के सभी बैठका की तीन दिनों के भीतर पेंटिंग का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

अखाड़े ने मांगी अधिक जमीन, नहीं दी तो करेंगे आंदोलन

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ में जमीन की मांग पूरी न होने पर अब अखाड़े आंदोलन के मूड में दिख रहे हैं। खाकचौक व्यवस्था समिति से अभी बात बन नहीं पाई है कि बड़ा उदासीन अखाड़े के संतों ने आंदोलन की चेतावनी दे दी है। बड़ा उदासीन अखाड़े के संतों ने डीएम कुम्भ विजय किरन आनंद से मुलाकात की और अतिरिक्त जगह की मांग की। इस दौरान बड़ा उदासीन अखाड़े के सचिव महंत व्यास मुनि, कोठारी शिवानंद आदि मौजूद रहे। मेलाधिकारी ने सभी से कहा कि जमीन अभी उपलब्ध नहीं है। जिन सेक्टरों में जमीन है, वहां लोग लेने को तैयार नहीं हैं।

रेलवे यूनियन की मान्यता के लिए मतदान शुरू

प्रयागराज, । रेल कर्मचारी संगठनों की मान्यता का चुनाव बुधवार सुबह आठ बजे से(मतदान) शुरू हो गया। सभी जोनल रेलवे में मतदान की प्रक्रिया चार से छह दिसंबर तक होगी। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) में 65915 रेलकर्मी अपने मताधिकार का प्रयोग करना शुरू कर दिय हैं। इसके लिए एनसीआर जोन में 88 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। मतदान के दौरान शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है। बैलेट पेपर के माध्यम से चार एवं पांच दिसंबर को सभी रेल कर्मी अपने मत का प्रयोग करेंगे। इस चुनाव में रनिंग रेलकर्मियों को छह दिसम्बर तक मतदान करने का मौका मिलेगा। प्रयागराज मंडल में कुल 37 पोलिंग केंद्र बनाए गए हैं।

नहीं हो रही है बासमती जैसे धान की खरीद, किसान मायूस

प्रयागराज । जनपद प्रयागराज अंतर्गत बारा तहसील की गल्ला मंडियो में बासमती क्वालिटी धान की खरीद बंद होने से अन्नदाता परेशान और निराश हैं। किसान अपने धान लदा ट्रैक्टरों को वापस ले जाने के लिए मजबूर हो गए है। किसानों ने बताया गया कि नारीबारी गल्ला मंडी में बाहर से आए हुए क्रेता और कंपनियां धान की लंबी वैरायटी किस्म 1718 और 1121 की खरीद कम कर दी हैं। इससे मंगलवार को दिनभर धान से लदे ट्रैक्टर खड़े रहे और मायूस होकर सैकड़ों किसान देर शाम लौट गए। क्षेत्र में नारीबारी और जारी मंडी में गल्ले की बाजार बड़े पैमाने पर लगती है। आसपास से लेकर रीवा, बांदा, चित्रकूट आदि के किसान भी अपने अनाजों को बेचने के लिए मंडी में आते हैं। नारीबारी मंडी मध्य प्रदेश सीमा क्षेत्र से लगी होने के कारण मध्य प्रदेश के तमाम गांव से किसान ट्रैक्टरों द्वारा चलकर अनाज बेचने के लिए आते हैं। इस समय धान का सीजन होने के कारण धान से लगे ट्रैक्टरों की भरमार है। नारीबारी मंडी में 900 से 1000 के करीब ट्रैक्टर मंगलवार और शुक्रवार की बाजार को आते हैं स पिछले वर्ष 1121और 1718 किस्म की लम्बी धान की कीमत चार हजार से सैंतालीस सौ रुपये प्रति क्विंटल तक बिक्री थी किन्तु इस वर्ष ढाई हजार में भी कोई नहीं पूछ रहा है। किसानों द्वारा मांग की गई है कि धान की खरीदारी में सरकार किसानों का सहयोग करें अन्यथा किसानो की कमर टूट जाएगी स इधर धान खरीद कंपनी एवं थोक खरीददारों द्वारा बताया गया कि यूक्रेन युद्ध के कारण यहां से धान बाहर के लिए निर्यात नहीं हो पा रहा है। इसलिए खरीदारी कम हो गई है और धान का मूल्य भी कम हो गया है। बाजार में नामी गिरामी सबसे बड़ी धान खरीदार कंपनी केआरबीएल के कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि नारीबारी बाजार में लगभग दो लाख क्विंटल धान की खरीद कर डंप हो चुकी है। मौसम भी खराब होने की संभावना है। माल बाहर नहीं जा पा रहा है। इस लिए खरीदारी को कम करना पड़ा है, जैसे ही माल बाहर निर्यात होने लगेगा खरीदारी फिर से चालू हो जाएगी। अन्य देशों से धान के निर्यात के लिए सरकार द्वारा बातचीत की जा रही है। उधर दुर्घटना और जोखिम को देखते हुए बीमा कंपनियां भी जहाज द्वारा निर्यात किया जाने वाले माल का इंश्योरेंस करने से कतरा रही हैं स दूसरी धान खरीद कंपनी द्वारा बताया गया कि सरकार द्वारा बातचीत होने पर स्थिति सामान्य हो जाएगी।

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय के छात्र महाकुम्भ में संभालेंगे मोर्चा

प्रयागराज। प्रदीप शर्मा महाकुम्भ को दिव्य व भव्य के साथ ही सुरक्षित बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। पहली बार मेला में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय नागपुर के छात्रों के दल को शामिल करेंगे। 35 छात्रों का दल मेला के फायर वॉलंटियर के रूप में मोर्चा संभालेंगे। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से श्रद्धालुओं व साधु–संतों को जागरूक करने के साथ ही अग्निशमन विभाग के कार्यों में सहयोग देंगे। शासन के निर्देश पर एडीजी अग्निशमन पद्मजा चौहान और मेला नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा सोमवार को नागपुर स्थित राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय पहुंचे। उन्होंने बीई फायर के अंतिम वर्ष के छात्रों से महाकुम्भ में आपदा प्रबंधन की जानकारी दी। गृह मंत्रालय द्वारा संचालित महाविद्यालय के कुल 35 छात्र–छात्राओं को मेला में फायर प्रीवेंशन व अन्य कार्यों में सहयोग के लिए चयनित किया गया। चयनित दल में 15 छात्र उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। महाविद्यालय के निदेशक नागेश शिंगणे ने पहली बार बीई फायर के छात्रों के शामिल करने की पहल पर प्रसन्नता व्यक्त की। नागपुर महाविद्यालय में बीई फायर अंतिम वर्ष के छात्र मेला में अग्निशमन की नई तकनीक का इस्तेमाल करने में सहयोग करेंगे। खासकर रोबोट व एआई तकनीकी में अपनी उपयोगिता साबित करेंगे। संपूर्ण मेला क्षेत्र में इन विद्यार्थियों से फायर प्रीवेंशन का कार्य कराया जाएगा इसके अलावा फायर आडिट व रिकॉर्ड रखने में भी सहयोग करेंगे। मेला के दौरान नुक्कड़ नाटक व जनजागरूकता से आग लगने की घटनाओं के रोकथाम में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय नागपुर से उत्तीर्ण कई छात्र देश–विदेश में सरकारी व निजी संस्थानों में फायर ऑफिसर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

पुल के साथ ही सर्विस लेन का कराएं निर्माण : डीएम

प्रयागराज। महाकुम्भ के दृष्टिगत एयरपोर्ट रोड, सूबेदारगंज आरओबी और अन्य निर्माण कार्य का जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने मंगलवार निरीक्षण किया। इस दौरान सेतु निगम के अफसरों को डीएम ने निर्देश दिया कि पुल के निर्माण के साथ ही सर्विल लेन का निर्माण कराएं। जिससे काम समय से हो। चौफटका रोटरी और कालिंदीपुरम में पुल के शुरुआत और आखिरी बिंदु के निरीक्षण के दौरान डीएम ने काम पूरा होने के समय के बारे में जानकारी ली। साथ ही काम गुणवत्ता के साथ कराने के लिए कहा। इसके लिए श्रम शक्ति बढ़ाने, मशीनरी, सामग्री की उपलब्धता की जानकारी लेकर पर्ट चार्ट के अनुसार कराने के लिए कहा। इसके बाद एयरपोर्ट रोड पर हो रहे सौंदर्यीकरण, पौधरोपण व चौड़ीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया। यहां लगाए जा रहे स्तंभ, लाइट पोल व रेलिंग की डिजाइन को देखा। कालिंदीपुरम में पोल शिफ्टिंग के निर्देश दिए। पीडब्ल्यूडी को थर्ड पार्टी से जांच कराने के लिए कहा। इस दौरान सेतु निगम के मुख्य परियोजना प्रबंधक मनोज अग्रवाल, परियोजना प्रबंधक अनिरुद्ध यादव, लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता पीके राय, एसडीएम सदर अभिषेक सिंह व अन्य मौजूद रहे।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. **UPHIN/2007/22706** रजि.नं. **AD-32/2008-09** ईमेलः **amritkt.alld@gmail.com** फोन नं. : **9453273951, 8799627062**